लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2967
20 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र केन्द्र

2967. डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
डॉ. डी.एन.वी. सेथिलकुमार एस.:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में मौजूदा वस्त्र केंद्रों का जिले-वार ब्यौरा क्या है और इन राज्यों में ऐसे प्रत्येक केंद्र में कार्यरत लोगों की संख्या कितनी है;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में वस्त्र केंद्रों द्वारा कितना राजस्व अर्जित किया गया है और विभिन्न देशों को निर्यात करने से कितना विशिष्ट राजस्व अर्जित किया गया है;

(ग) क्या यह सच है कि ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु देश में सबसे ज्यादा हथकरघा बुनकरों का केंद्र हैं और यदि हां, तो सरकार द्वारा इन राज्यों के हथकरघा और कपड़ा बुनकरों को समर्थन देने के लिए क्या पहल की गई है;

(घ) क्या सरकार की देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे और केंद्र विकसित करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा विशेषकर ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में वस्त्र क्षेत्र को निर्यात-उन्मुख बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क): एकीकृत वस्त्र पार्क योजना के तहत ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में स्थापित वस्त्र पार्कों का विवरण इस प्रकार है:-

(रुपये करोड़ में)

क्र.सं	पार्क का नाम	ज़िला	स्वीकृति की तारीख	परियोजना लागत	भारत सरकार की हिस्सेदारी	रोज़गार	पार्क की स्थिति
		महाराष्ट्र					
1	मेट्रो हाई-टेक कोऑपरेटिव पार्क लिमिटेड	कोल्हापुर	25.11.2005	100.80	40.00	2024	पूर्ण
2	बारामती हाई टेक	पुणे	01.07.2006	108.52	40.00	3000	पूर्ण

	टेक्सटाइल पार्क लिमिटेड						
3	दीसन इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड	धुले	29.05.2008	103.12	40.00	1700	पूर्ण
4	इस्लामपुर इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क प्राइवेट लिमिटेड	सांगली	16.05.2008	102.39	40.00	1645	पूर्ण
5	अस्मिता इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड	ठाणे	29.05.2008	277.69	40.00	12867	पूर्ण
6	प्राइड इंडिया कोऑपरेटिव टेक्सटाइल पार्क लिमिटेड	कोल्हापुर	03.02.2006	58.19	20.95	8525	पूर्ण
7	पूर्णा ग्लोबल टेक्सटाइल्स पार्क	हिंगोली	16.05.2008	107.29	40.00	865	पूर्ण होने वाला है
8	कलप्पाना अवाडे टेक्सटाइल पार्क	इच्छलकरंजी	16.09.2011	107.1	40.00	1027	पूर्ण होने वाला है
9	सत्यराज इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क	कोल्हापुर	15.10.2014	104.49	40.00	1662	पूर्ण होने वाला है
10	हिंगनघाट टेक्सटाइल पार्क	वर्धा	24.03.2015	108.38	40.00	1022	पूर्ण होने वाला है
11	श्री गणेश टेक्सटाइल पार्क	धुले	24.03.2015	104.03	40.00	35	पूर्ण होने वाला है
12	लातूर इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क प्राइवेट लिमिटेड	लातूर	16.05.2008	102.61	40.00	यह मामला सीएंडएजी द्वारा उठाया गया था और इसकी जांच चल रही है	
तमिलनाडु							
1	पल्लदम हाई-टेक वीविंग पार्क	तिरुपुर	03.02.2006	55.42	22.17	2650	पूर्ण
2	कोमारपालयम हाई-टेक वीविंग पार्क	नमक्कल	01.07.2006	31.33	12.53	853	पूर्ण
3	करूर इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क	करूर	21.03.2007	116.1	40.00	5000	पूर्ण
4	मदुरै इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क लिमिटेड	मदुरै	05.03.2007	87.30	34.92	2551	पूर्ण
5	पेरारिग्नर अन्ना हैंडलूम सिल्क पार्क	कांचीपुरम	22.04.2010	82.52	33.02	500	पूर्ण होने वाला है
6	पल्लवड़ा टेक्सटाइल पार्क	इरोड	16.09.2011	106.58	40.00	600	पूर्ण होने वाला है
7	द ग्रेट इंडियन लिनन एंड टेक्सटाइल	इरोड	03.02.2006	104.29	40.00	166	पूर्ण होने वाला है
8	सीमा टेक्सटाइल प्रोसेसिंग सेन्टर	कुड्डालोर	25.11.2005	111.6	40.00	अभी तक प्रचालन शुरू किया जाना है	
ओडिशा							
शून्य							

(ख): पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान वस्त्र उत्पादों के निर्यात का खंड-वार विवरण निम्नानुसार है:

(मूल्य अमेरिकी मिलि. डॉलर में)

वस्तुएं	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2019-20	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23
रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी)	16,138	15,488	12,272	16,015	16,191
कपास वस्त्र	12,405	10,263	11,128	17,166	11,085
मानव निर्मित वस्त्र	5,551	5,324	4,180	6,294	5,412
ऊन एवं ऊनी वस्त्र	222	181	109	166	205
रेशम उत्पाद	76	72	76	109	95
हथकरघा उत्पाद	344	319	223	269	183
कालीन	1,482	1,373	1,491	1,790	1,366
पटसन उत्पाद	340	357	397	537	462
कुल वस्त्र एवं अपैरल (टी एंड ए)	36,559	33,379	29,877	42,347	34,997
हस्तशिल्प	1,838	1,798	1,708	2,088	1,689
हस्तशिल्प सहित कुल टीएंडए	38,397	35,177	31,585	44,435	36,686

स्रोत: डीजीसीआईएस कोलकाता

(ग): चौथी हथकरघा जनगणना-2019-20 के अनुसार, देश भर में कुल हथकरघा श्रमिक 35,22,512 हैं, जिनमें 1,17,836 (ओडिशा में), 3,509 (महाराष्ट्र में) और 2,43,575 (तमिलनाडु में) शामिल हैं। वस्त्र मंत्रालय देश भर में हथकरघा को बढ़ावा देने और हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए निम्नलिखित योजनाएं क्रियान्वित कर रहा है:

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम;
2. कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना;

उपरोक्त योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्ची सामग्री, उन्नत करघे और सहायक उपकरण की खरीद, सौर प्रकाश इकाइयों, वर्कशेड के निर्माण, समर्थ के तहत प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन, उत्पाद और डिजाइन विकास, तकनीकी और सामान्य अवसंरचना, घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों के लिए विपणन सहायता, बुनकर मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और सामाजिक सुरक्षा आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

उपरोक्त के अलावा, सरकार ने ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु सहित हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित पहलें की हैं:

i) उत्पादकता, विपणन क्षमताओं को बढ़ाने और बेहतर आय सुनिश्चित करने के लिए, देश भर में हथकरघा क्षेत्रों में 155 हथकरघा उत्पादक कंपनियां बनाई गई हैं, जिनमें 9 (ओडिशा में), 7 (महाराष्ट्र में) और 14 (तमिलनाडु में) शामिल हैं।
ii) देश भर में शिल्प संवर्धन को पर्यटन के साथ एकीकृत करने के लिए, शिल्प हथकरघा गांव स्थापित किए जा रहे हैं।
iii) भुवनेश्वर (ओडिशा में), मुंबई और नागपुर (महाराष्ट्र में) और कांचीपुरम और चेन्नई (तमिलनाडु में) सहित देश भर के बुनकर सेवा केंद्रों में 16 डिजाइन संसाधन केंद्र स्थापित किए गए हैं।

iv) हथकरघा बुनकरों को सरकारी ई-मार्केट प्लेस पर शामिल किया गया है ताकि वे अपने उत्पादों को विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों को सीधे बेचने में सक्षम हों।

(घ): पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) योजना के तहत, सरकार ने 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय से प्लग एंड प्ले सुविधा सहित विश्व स्तरीय अवसंरचना के साथ ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड स्थलों में 7 मेगा पार्क स्थापित करने की मंजूरी दी है। तमिलनाडु (विरुद्धनगर), तेलंगाना (वारंगल), गुजरात (नवसारी), कर्नाटक (कलबुर्गी), मध्य प्रदेश (धार), उत्तर प्रदेश (लखनऊ) और महाराष्ट्र (अमरावती) जैसे 7 स्थानों में पीएम मित्र योजना के तहत वस्त्र पार्क स्थापित करने के लिए मंजूरी दी गई है। ऐसी परिकल्पना है कि ऐसे प्रत्येक मेगा वस्त्र पार्क से एक लाख प्रत्यक्ष और दो लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

(ङ): सरकार देश भर में वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए वस्त्र केंद्रों के निर्माण और संवर्धन सहित कई योजनाएं क्रियान्वित कर रही है। इनमें पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क, एकीकृत वस्त्र पार्क योजना, एकीकृत प्रसंस्करण विकास योजना, व्यापक विद्युतकरघा मेगा क्लस्टर विकास योजना, समर्थ (वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना), सिल्क समग्र, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम, एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन योजना, आदि को शामिल किया गया हैं।

***